कार्यपत्र-21

1. सही उत्तर के आगे ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों। – पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? (i) रूपक ✓

(ख) इनमें अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है– (iii) सुरभित सुंदर सुखद सुमन तुझ पर झरते हैं। ✓

(ग) इनमें शब्दालंकार का भेद नहीं है– (ii) रूपक ✓

(घ) हरिपद कोमल कमल-से। – पंक्ति में अलंकार पहचानिए। (iii) उपमा ✓

(ङ) इनमें रूपक अलंकार का उदाहरण है– (i) पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो। ✓

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) काव्य की शोभा बढ़ाने वाले शब्दों को अलंकार कहते हैं। अलंकार के दो भेद हैं– शब्दालंकार और अर्थालंकार।

(ख) अर्थ की विशिष्टता के कारण काव्य में आया विशिष्ट चमत्कार अर्थालंकार कहलाता है। जैसे–
हाय फूल-सी कोमल बच्ची। (बच्ची को फूल के समान कोमल बताया गया है।)

(ग) जब प्राकृतिक वस्तुओं में मानवीय भावनाओं का वर्णन हो यानि स्थिर चीज़ों में सजीव होना दर्शाया जाए, तब वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है। जैसे– फूल हँसे कलियाँ मुसकाईं।

3. निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

(क) अंबर-पनघट में डुबो रही।	रूपक अलंकार
(ख) देख लो साकेत नगरी है यही। स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।	अतिशयोक्ति अलंकार
(ग) तब तो बहता समय शिला-सा बन जाएगा।	उपमा अलंकार
(घ) काली घटा का घमंड घटा।	यमक अलंकार
(ङ) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।	अनुप्रास अलंकार
(च) सुबरन को ढूँढ़त फिरत, कवि, व्यभिचारी, चोर।	श्लेष अलंकार
(छ) पीपर पात सरिस मन डोला।	उपमा अलंकार
(ज) तू मोहन के उरबसी हवै उरबसी समान।	यमक अलंकार

4. निम्नलिखित अलंकारों का एक-एक उदाहरण लिखिए।

(क) अनुप्रास अलंकार	रघुपति राघव राजा राम।
(ख) यमक अलंकार	कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
(ग) उपमा अलंकार	लाल किरण-सी चोंच खोल।
(घ) रूपक अलंकार	शशि-मुख पर घूँघट डाले।
(ङ) अतिशयोक्ति अलंकार	आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।
(च) मानवीकरण अलंकार	मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।